एक्सआइएसएस : एक्सआइएसएस में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. इस लैंगिक समानता पर चर्चा हुई. निदेशक डॉ फादर जोसेफ मरियानूस कुजूर ने कार्यक्रम को संबोधित किया.

PRESS RELEASE : PRABHAT KHABAR

एक्सआईएसएस ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) के फा. माईकल वेन डेन बोगार्ट एस.जे. मेमोरियल ऑडिटोरियम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस वर्ष इस दिन का विषय ह्यमजबूत भावष्य के लिए लैंगिक समानता जरूरी है, जिसपर चर्चा की गयी। अपने संबोधन में, डॉ जोसेफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक एक्सआईएसएस ने लैंगिक समानता और लैंगिक न्याय पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हर साल यह दिन हमें उन शक्तिशाली इंसानों की याद दिलाता है जो महिलाएं हैं। लेकिन, जब हम घर या कार्यस्थल पर उनकी स्थिति की वास्तविकता के करीब आते हैं, तो एक बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाई देती है। उन्हें अक्सर निर्णय लेने की शक्ति से वंचित रखा जाता है, जो उस दिन की लोकप्रिय धारणा के विपरीत है जिसे हम आज मना रहे हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की दुर्दशा के कारण वे अक्सर घरेलू नौकर बन जाती हैं या मानव तस्करी की शिकार हो जाती हैं और यह स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती ही जा रही है। इस दृष्टिकोण को सुधारने की जरूरत है और तभी हम इस दिन को इसके वास्तविक गौरव के साथ मना सकते है। एक्सआईएसएस में, हम सभी के लिए एक समान वातावरण बनाने में विश्वास करते हैं, सभी लैंगिक पूर्वाग्रहों को दूर रखते हुए,डॉ कुजूर ने उल्लेख किया। कार्यक्रम के बाद एक अनौपचारिक संवाद सत्र और विचारों का आदान-प्रदान, सभी फैकल्टी और कर्मचारियों के बीच हुआ। समारोह के दौरान डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस; डॉ अमर ई तिग्गा, डीन अकादमिक, सभी कार्यक्रमों के प्रमुख, सम्मानित फैकल्टी सदस्य और संस्थान के कर्मचारी उपस्थित थे।

PRESS RELEASE : PUNCH

XISS celebrates International Women's Day

International Women's Day was celebrated at Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi here on Tuesday. The theme for this year's celebration was 'Gender equality today for a sustainable tomorrow'. In his address, Dr Joseph Marianus Kujur, Director XISS emphasized on gender equity and gender justice. He said, "Every year this day reminds us of the powerful human beings that women are. But, when we come closer to the reality of their situation at home or workplace, an entirely different picture is seen. They are often kept deprived of the power to make decisions, which is averse to the popular belief of the day we are celebrating today. The plight of women especially in rural areas often leads to them becoming domestic helps or being trafficked and this situation is worsening day by day. This hostile approach needs to be corrected and only then we will celebrate this day in its actual glory. At XISS, we believe in making an environment equal for all, keeping all gender bias at bay."

PRESS RELEASE : PIONEER

लैंगिक समानता और लैंगिक न्याय जरूरी

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका विषय था-मजबूत भविष्य के लिए लैंगिक समानता जरूरी है। संस्थान के निदेशक डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे ने लैंगिक समानता और लैंगिक न्याय पर जोर दिया। कहा कि यह दिन हमें उन शक्तिशाली इंसानों की याद दिलाता है जो महिलाएं हैं। लेकिन, जब हम घर या कार्यस्थल पर उनकी स्थिति की वास्तविकता के करीब आते हैं, तो एक बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाई देती है।

PRESS RELEASE : HINDUSTAN

महिलाओं को निर्णय लेने की शक्ति से वंचित रखा जाता है : डॉ जोसेफ

GANDIV REPORTER

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) के फा. माईकल वेन डेन बोगार्ट एस.जे. मेमोरियल ऑडिटोरियम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मजबूत भविष्य के लिए लैंगिक समानता जरूरी है विषय पर चर्चा की गई। अपने संबोधन में डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे, निदेशक एक्सआईएसएस ने लैंगिक समानता और लैंगिक न्याय पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हर साल यह दिन हमें उन शक्तिशाली इंसानों की याद दिलाता है जो महिलाएं हैं। लेकिन, जब हम घर या कार्यस्थल पर उनकी स्थिति की वास्तविकता के करीब आते हैं, तो एक बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाई देती है। उन्हें अक्सर निर्णय लेने की शक्ति से वंचित रखा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की दुर्दशा के कारण वे अक्सर घरेलू नौकर बन जाती हैं या मानव तस्करी की शिकार हो जाती हैं। यह स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती ही जा रही है। इस दृष्टिकोण को सुधारने की जरूरत है। कार्यक्रम के बाद एक अनौपचारिक संवाद सत्र और विचारों का आदान-प्रदान, सभी फैकल्टी और कर्मचारियों के बीच हुआ। समारोह के दौरान डॉ प्रदीप केरकेट्टा, डॉ अमर ई तिग्गा के साथ सभी कार्यक्रमों के प्रमुख, फैकल्टी सदस्य और संस्थान के कर्मचारी उपस्थित थे।

PRESS RELEASE : BIRSA GANDHIV

एक्सआईएसएस ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

March 9, 2022 Birsa Times

ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) के फा. माईकल वेन डेन बोगार्ट एस.जे. मेमोरियल ऑडिटोरियम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस वर्ष इस दिन का विषय 'मजबूत भविष्य के लिए लैंगिक समानता जरूरी है', जिसपर चर्चा की गयी। अपने संबोधन में, डॉ जोसेफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक एक्सआईएसएस ने लैंगिक समानता और लैंगिक न्याय पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "हर साल यह दिन हमें उन शक्तिशाली इंसानों की याद दिलाता है जो महिलाएं हैं। लेकिन, जब हम घर या कार्यस्थल पर उनकी स्थिति की वास्तविकता के करीब आते हैं, तो एक बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाई देती है। उन्हें अक्सर निर्णय लेने की शक्ति से वंचित रखा जाता है, जो उस दिन की लोकप्रिय धारणा के विपरीत है जिसे हम आज मना रहे हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की दुर्दशा के कारण वे अक्सर घरेलू नौकर बन जाती हैं या मानव तस्करी की शिकार हो जाती हैं और यह स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती ही जा रही है। इस दृष्टिकोण को सुधारने की जरूरत है और तभी हम इस दिन को इसके वास्तविक गौरव के साथ मना सकते है। एक्सआईएसएस में, हम सभी के लिए एक समान वातावरण बनाने में विश्वास करते हैं, सभी लैंगिक पूर्वाग्रहों को दूर रखते हुए," डॉ कुजूर ने उल्लेख किया।

कार्यक्रम के बाद एक अनौपचारिक संवाद सत्र और विचारों का आदान-प्रदान, सभी फैकल्टी और कर्मचारियों के बीच हुआ। समारोह के दौरान डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस; डॉ अमर ई तिग्गा, डीन अकादमिक, सभी कार्यक्रमों के प्रमुख, सम्मानित फैकल्टी सदस्य और संस्थान के कर्मचारी उपस्थित थे।

PRESS RELEASE : BIRSA TIMES

एक्सआईएसएस ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

09/03/2022 / Chandan Pathak

Select Language

ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान, रांची

दिनांक: 08.03.2022

एक्सआईएसएस ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) के फा. माईकल वेन डेन बोगार्ट एस.जे. मेमोरियल ऑडिटोरियम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस वर्ष इस दिन का विषय 'मजबूत भविष्य के लिए लैंगिक समानता जरूरी है', जिसपर चर्चा की गयी।

अपने संबोधन में, डॉ जोसेफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक एक्सआईएसएस ने लैंगिक समानता और लैंगिक न्याय पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "हर साल यह दिन हमें उन शक्तिशाली इंसानों की याद दिलाता है जो महिलाएं हैं। लेकिन, जब हम घर या कार्यस्थल पर उनकी स्थिति की वास्तविकता के करीब आते हैं, तो एक बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाई देती है। उन्हें अक्सर निर्णय लेने की शक्ति से वंचित रखा जाता है, जो उस दिन की लोकप्रिय धारणा के विपरीत है जिसे हम आज मना रहे हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की दुर्दशा के कारण वे अक्सर घरेलू नौकर बन जाती हैं या मानव तस्करी की शिकार हो जाती हैं और यह स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती ही जा रही है। इस दृष्टिकोण को सुधारने की जरूरत है और तभी हम इस दिन को इसके वास्तविक गौरव के साथ मना सकते है। एक्सआईएसएस में, हम सभी के लिए एक समान वातावरण बनाने में विश्वास करते हैं, सभी लैंगिक पूर्वाग्रहों को दूर रखते हुए," डॉ कुजूर ने उल्लेख किया।

कार्यक्रम के बाद एक अनौपचारिक संवाद सत्र और विचारों का आदान-प्रदान, सभी फैकल्टी और कर्मचारियों के बीच हुआ। समारोह के दौरान डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस; डॉ अमर ई तिग्गा, डीन अकादमिक, सभी कार्यक्रमों के प्रमुख, सम्मानित फैकल्टी सदस्य और संस्थान के कर्मचारी उपस्थित थे।

PRESS RELEASE : CURRENT KHABAR